pan>

Title : Regarding setting up of Cultural Centre for Alha, a folk song of Bundelkhand-Laid

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखंड क्षेत्र आर्थिक रूप में पिछड़ा क्षेत्र है परंतु यह क्षेत्र सांस्कृतिक रूप से बहुत समृद्ध है । आल्हा गायन जोकि सैकड़ों वर्षों से मौखिक रूप से जीवित है इस क्षेत्र की विशिष्ठ पहचान है । आल्हा गायन जीवन में चारित्रिक दृढ़ता की वृद्धि और जीवन में निराशा के भाव को दूर करता है । आल्हा गायन एवं श्रवण से उत्साह की अनुभूति होती है जो कि किसी राष्ट्र की कार्य ऊर्जा के लिये बहुत महत्वपूर्ण है । गायन और छन्द शैली का प्रयोग बुंदेलखंड की ही नहीं अपितु भारतीय संस्कृति की विशेष पहचान है । महान व्याकरण आचार्य महर्षि पाणिनि के भाई महर्षि पिंगल ने तो पूरा शास्त्र का ही निर्माण इस विषय पर किया । महाभक्त श्री गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा अपनी रचनाओं में अनुष्टुप इत्यादि छंदों का ही प्रयोग किया गया है । भारतीय वांग्मय में अन्य प्रसिद्ध छन्द गायत्री, जगती , पंक्ति, धृति, विराट और उष्णिक इत्यादि हैं और सामवेद आज भी भारतीय गायन शैली का मूल बना हुआ है । कहने का तात्पर्य यह है कि भारतीय गायन शैली का विज्ञान भी विस्तृत है और परंपरा से वर्तमान में प्रयोग भी बना हुआ है । इसी तरह बुंदेलखंड संस्कृति का प्रतीक चिन्ह आल्हा गायन भी परंपरा से सांस्कृतिक रूप में अति समृद्ध है । आल्हा गायन संभवतः विश्व की एकमात्र ऐसी गायन शैली होगी जो कि सिर्फ मौखिक रूप में विद्यमान है और कुछ समूह द्वारा ही इसका संरक्षण स्वयं के प्रयासों द्वारा किया जा रहा है । यदि इस पर शोध और इसके विज्ञान को लिपिबद्ध करने के प्रयास हो सके तो गायन शैली वर्तमान में पारंपरिक रूप में अपने अस्तित्व के संघर्ष से आगे निकल कर एक प्रवाह के रूप में भारतीय संस्कृति के साथ अनन्त काल तक अपनी यात्रा कर सकने में सक्षम हो सकेगी । लोक महत्त्व के अति महत्वपूर्ण आल्हा गायन के संरक्षण के लिये सरकारी प्रयासों की नितांत आवश्यकता है अतः सरकार से यह निवेदन है कि बुंदेलखंड

की सांस्कृतिक राजधानी महोबा में आल्हा गायन सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाये जिससे आल्हा को लिपिबद्ध किया जा सकेगा और आल्हा पर नवीन शोध संभव हो पाएंगे और इसका और अधिक विकास होगा तथा बुंदेलखंड में खजुराहो के साथ आल्हा भी पर्यटन विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा पायेगा जिससे की इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकेगा ।